अर्हम्

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

समय सीमा : 3 घंटा | तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2013) | दिनांक 21.12.2013

चतुर्थ वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र | पूर्णांक – 100

## भिक्षु दृष्टांत – 40

प्र.1 किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए। 8

(क) ''साधु आहार करता है उसे बुरा काम किसने बताया?

(ख) राग व द्वेष में से पहले कौन समाप्त होता है?

(ग) आचार्य भिक्षु ने सम्वत् 1853 का चातुर्मास कहाँ किया?

(घ) ''हे भीखण बाबा! मैं भक्तों को लपसी खिलाता हूँ, उसमें क्या होता है?'' भक्त गवीरामजी के इस प्रश्न का भीखणजी स्वामी ने क्या उत्तर दिया?

(ङ) ''सम्पत्ति मिलने मात्र से कौन–सा ज्ञान आ जाता है? आचार्य भिक्षु ने यह बात किसे कही?

(च) ''हम भगवान् के घर के संदेश वाहक हैं।'' यह बात किसने किसको कही?

(छ) आचार्य भिक्षु ने हाथ कांपने के क्या–क्या कारण बताये?

(ज) आचार्य भिक्षु ने साधु तथा असाधु किसे बताया?

(झ) जीव हल्का कैसे होता है?

(ञ) आचार्य भिक्षु ने बाल मुनि भारमलजी को कौन से सूत्र का पुनरावर्त्तन खड़े–खड़े करने को कहा?

प्र.2 किन्हीं तीन घटना–प्रसंगों को 100 से 150 शब्दों में लिखें। 18

(क) सब एक हो जाओ। (ख) निमंत्रण सबको, भोजन एक को।

(ग) ऐसा पौत्र–शिष्य नहीं चाहिए। (घ) केवली राज्य कैसे भोगेगा?

(ड.) बेचारे का जन्म बिगड़ जाता है। (च) जैसा गुरु वैसा देव और धर्म।

प्र.3 किसी एक प्रश्न का उत्तर दृष्टांतों के आधार पर विस्तार से दीजिए। 14

(क) सिद्ध करें कि आचार्य भिक्षु क्षमाशील थे।

(ख) ''आचार्य भिक्षु के कथन में कभी–कभी गहरा व्यंग्य हुआ करता था।'' इस कथन को तीन या चार दृष्टांतों द्वारा सिद्ध करें।

(ग) सिद्ध करें कि आचार्य भिक्षु अध्यात्म प्रेरणा के महान् स्त्रोत थे।

## महासती सरदारां – 15

प्र.4 किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर दो या तीन वाक्य में दीजिए। 5

(क) अन्तिम समय में सरदार सती ने किन–किन की आलोचना की।

(ख) छेदोपस्थापनीय चारित्र की क्या प्रणाली है।

(ग) सरदारांजी ने भिक्षा के लिए तीन प्रकार के पात्र क्यों रखे?

(घ) तेरह वर्ष की बाल्यावस्था में सरदारांजी ने कौन–कौन से त्याग किये?

प्र.5 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए। 10

(क) सिद्ध करें कि कायसिद्धि बहिन सरदारां का लक्ष्य बन गया।

(ख) सिद्ध करें कि ''सरदारां सती सौभाग्यशालिनी थीं।''

(ग) साध्वी सरदारांजी के प्रथम फलौदी प्रवास का विवरण लिखें।

अनुकम्पा की चौपाई – 30

प्र.6 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए। 5

(क) भगवान महावीर ने गोशालक को फली में कितने तिल बताये?

(ख) ''तीर्थंकर छद्मस्थ अवस्था में दीक्षा देकर अपना शिष्य नहीं बनाते'' यह वर्णन कौन से सूत्र के किस अध्याय में आया है?

(ग) अरिहन्त भगवान् ने साधु को किस नाम से सम्बोधित किया है?

(घ) हिंसा के बुरे तीस नाम कौन से सूत्र में बताये गये हैं?

(ड) कौन से सूत्र में कामभोग को किंपाक फल की उपमा दी है?

(च) समदृष्टि देवता श्रावकों का पोषण क्यों नहीं कर सकते?

(छ) पृथ्वी, पानी, तेजस, वायु और वनस्पति इन पांचों कायों के जीवों की संख्या कितनी मानी गयी है?

प्र.7 मिश्र धर्म के सात दृष्टांतों का उल्लेख करते हुए बतायें कि आचार्य भिक्षु ने मिश्र धर्म की प्ररूपणा करने वालों को कैसे गलत साबित किया है? 10

'अथवा'

दया के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए ढाल 9 का सारांश लिखें।

प्र.8 किन्हीं दो पद्यों की सप्रसंग व्याख्या करें। 15

(क) ए पाप नें धर्म रो मिश्र परूपे, तोरा बिचे लाभ घणो बतावे।
त्यां भेषधारयां री परतीत आवें तो, लाय बुझावण दोरया जावे।।

(ख) जीवणों मरणों त्यांरो नहीं चावे, समझतो देखे तो साध समझावे।
ग्यांनादिक गुण घट मांहें घाले, मुगतनगर में साध पोह चावे।।

(ग) संसार नों उपगार करे जिण सेती, कदा ते पिण पाछो करे उपगार।
ए तो उपगार एकीका जावां सूं कीधा छे अनंत अनंती बार।
आ सरधा श्री जिणवर भाखी।।

(घ) बीसों भेदां रुके कर्म आवता, बारे भेदां हो कटे आगला कर्म।
ए मोक्ष रा मारग पाधरा, छोडा मेला हो सगला पाखंड धर्म।।

भिक्षुवाणी – 15

प्र.9 कोई दो पद्यों की पूर्ति करें। 6

(क) सूतर अर्थ.....आठमो तेह ए।। 'अथवा' आंबा सू.....लेवा तणी ए।।

(ख) हलूकरमीं मात.....टलें असमाध।। 'अथवा' छ काय.....मिलियो आय।।

प्र10 किन्हीं तीन विषयों पर पद्य लिखें। 9

(क) आसक्ति (ख) उपदेष्टा (ग) विसंगति (घ) संसार

(ङ) द्वेष